राज
षड्यंत्र
सुपर कमांडो ध्रुव
Vinod Yadav

षड्यंत्र

☆ विस्तार से जानने के लिए पढ़ें 'अंधी मौत'

राजनगर- जिसका अपराध जगत यानी अंडरवर्ल्ड कभी भय से कांपता और थरथराता रहता था-
आज उसमें खुशी की लहर दौड़ रही है-
चियर्स!
ये जाम, हमारी कामयाबी के नाम।
कामयाबी तो अब मिलकर ही रहेगी, केशी! क्योंकि जिस व्यक्ति ने हमारी सारी गतिविधियों को लगभग बन्द कर दिया था, अब वही राजनगर से दूर जा रहा है।
सिर्फ राजनगर से दूर नहीं चचेरे! इस पृथ्वी से भी दूर जा रहा है। अन्तरिक्ष में जा रहा है।
भगवान करे, वह अंतरिक्ष में ही घूमता रह जाए। वापस ही न आ पाए।
आमीन!★
वैसे भी अगर वह वापस आया भी तो कम से कम दस दिन बाद ही आएगा। और इन दस दिनों में तो हम राजनगर को मोजे की तरह पलटकर रख देंगे।
एक और जाम, हमारे दुश्मन सुपर कमांडो ध्रुव की मौत के नाम!
भगवान करे, हमारी ये मुसीबत हमेशा के लिए दूर हो जाए!
केशी और चचेरे की दुआ सही होने के बजाय बिल्कुल उल्टा असर दिखा रही थी-

★ आमीन - 'ऐसा ही हो'

क्योंकि 'ध्रुव' नाम की मुसीबत उनसे दूर जाने के बजाय उनके पास आ रही थी-
पल...
तड़
...और पल-
और फिर- सामने-
सुपर कमांडो ध्रुव यहां पर!
तड़ाक
कितनी बार कहा है केशी कि रात-बिरात शैतान की बातें मत किया कर। याद किया और हाजिर हो गया शैतान!
घबराओ मत थर्टी! इसके पास हमारे खिलाफ कोई सबूत नहीं है। यह हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता।
सच है केशी! फिलहाल मेरे पास तुम्हारे खिलाफ सबूत नहीं है—
लेकिन मैं जानता हूं कि कर्नो के जाने के बाद तुम राजनगर के सबसे बड़े माफिया डॉन बन गए हो। और इसीलिए मैं तुम्हारे पास आया हूं★
ओह! यानी तुमको भी केशी की मदद की जरूरत पड़ ही गई। बोलो!

मैं अगले कुछ दिनों तक राजनगर में नहीं रहूंगा। और अगर उन दिनों में या रातों में राजनगर में कोई भी अपराध हुआ, किसी की चेन तक खींची गई तो मैं पुलिस के पास नहीं, तुम्हारे पास आऊंगा। क्योंकि राजनगर का हर छोटा-बड़ा लफंगा, आजकल तुम्हारे इशारों पर ही नाचता है।...
...और अगर ऐसा हुआ तो मैं न तो तुमको पुलिस स्टेशन ले जाऊंगा, और न ही अदालत...
...सारा मामला यहीं पर निबटा दूंगा।
उम्मीद है कि तुमसे दुबारा मुलाकात की जरूरत नहीं पड़ेगी।
लेकिन ध्रुव यह नहीं जानता था कि राजनगर में एक ऐसा अपराधी आने वाला है, जिस पर किसी का ज़ोर चलने वाला नहीं था-
नारका जेल से-
और उसका नाम था-
नारका जेल के इन मूर्ख गार्डों को इनका भविष्य बताकर मैंने इनको यह कंप्यूटर लगाने को राजी कर लिया है। ये समझते हैं कि इस पर मैं इनका कंप्यूटराइज्ड भविष्य बताऊंगा...
...लेकिन इस कंप्यूटर से मुझे कुछ और ही काम है...
...अब मुझे इंतजार है उन रत्नों का, जो अब मेरे पास...

-- आने ही होंगे।
मैं वे रत्नों वाली अंगूठियां ले आया हूं। जो तुमने मुझे पहनने को कही थीं। तुमने कहा था कि तुम इन रत्नों को चेक करके मुझे बता दोगे कि ये ठीक हैं या नहीं।
ज़रूर! लाओ अंगूठियां!
ये लो।
अब तुम मेरे पास कल सुबह आना। रात में इन रत्नों की क्वालिटी को जांच पाना बहुत मुश्किल है।
ठीक है,
मैं सुबह आऊंगा।
लेकिन सुबह तक मैं यहां पर नहीं मिलूंगा, मूर्ख। अगर तू मेरी फाइल ध्यान से पढ़ता तो जान जाता कि इन रत्नों के जरिये ग्रहों से आने वाली किरणों को सोखता है...
-- और फिर एक खास एम्पलिफायर के जरिये उन किरणों को घातक स्तर का बना देता है।
और आज मैं ऐसा ही एक एम्पलिफायर बनाऊंगा, इस कंप्यूटर सिस्टम के पुर्जों से।

लगभग तीन घंटे का समय लगा–
काम पूरा हो गया। इस कंप्यूटर ने और किसी का भविष्य चाहे न बताया हो, लेकिन मेरा तो बता दिया।
अब … को आजाद होने से कोई नहीं रोक सकता।
सबसे पहले बुध ग्रह की गर्म सतह की गर्मी से इन सलाखों को पिघलाया जाए…
–और फिर–
ओह!–
–सलाखों के पिघलते ही अलार्म बज उठा। बुरा हुआ।
हीं हीं हीं हीं हीं
वो रहा!
आ गए। और मेरे पास सिर्फ एक ही घातक हथियार है…
–मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच घूम रही 'एस्टीरॉयड बेल्ट' की चट्टानों के टुकड़े।
चट्टानों के वारों ने गार्डों को वहीं पर रोक दिया–
मैं किसी का नुकसान करना नहीं चाहता था…
…लेकिन अब तो मजबूरी है। गार्ड आते ही होंगे।

लेकिन नारका जेल की सुरक्षा व्यवस्था बहुत मजबूत थी-
मेरे पीछे से भी गार्ड आ रहे हैं। जल्दी ही ये गलियारा गार्डों से भर जाएगा। मैं बिना वजह इनको नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता।
इसलिए मैं खुद ही यहां से गायब होने का इंतजाम करता हूं।--
--शुक्र ग्रह के घने बादलों की तरह से।
लास्टेदमन का शरीर घने बादलों के बीच में घिरने लगा-
और फिर गाढ़े बादलों ने कॉरीडोर को पूरी तरह से घेर लिया-
हाथ को हाथ सुझाई देना भी बन्द हो गया-
और बादल छंटने से पहले ही-
लास्टेदमन नारका जेल से बाहर निकल चुका था-
शुक्र ग्रह की ठंडी सतह से अपनी किरणों की मदद से मैं हवा में मौजूद जल कणों को जमाते हुए अपने लिए आगे का रास्ता तैयार कर सकता हूं।...
...अब मैं सीधा राजनगर जाकर ही रुकूंगा। और सबसे पहले सुपर शोवा को सजा दूंगा, उसकी धोखेबाजी की।--
--और फिर निबटूंगा उस दुष्ट डॉक्टर साहा से।...
...जिसकी वजह से मुझे नारका जेल की सैर करनी पड़ी।

★ रिचा ही ब्लैककैट है, जो 'राजनगर की तबाही' में नागराज की विषफुंकार से बेहोश हो गई थी। तब से किसी को भी उसका पता नहीं मिला है।

जहाज पर।

हे मिस्टर, मैंने पूछा कौन हो तुम?

और फिर वे
और मैं आज़ाद!

वह मशीनी ढांचा है किस चीज का?

PARK
तुम्हारी कमीशन की रकम काम होते ही तुम तक पहुंचा दी जाएगी।

यह सब क्या चक्कर है,

...लेकिन अब हमारा छिपे रह पाना बहुत मुश्किल लगता है। अब देखना केवल यह है कि रॉकेट हमारे काम के लिए उपयुक्त है, और हम वापस अपने घर जा सकें। मदद करो हे देवता.

...खिड़की का शीशा तोड़ता हुआ

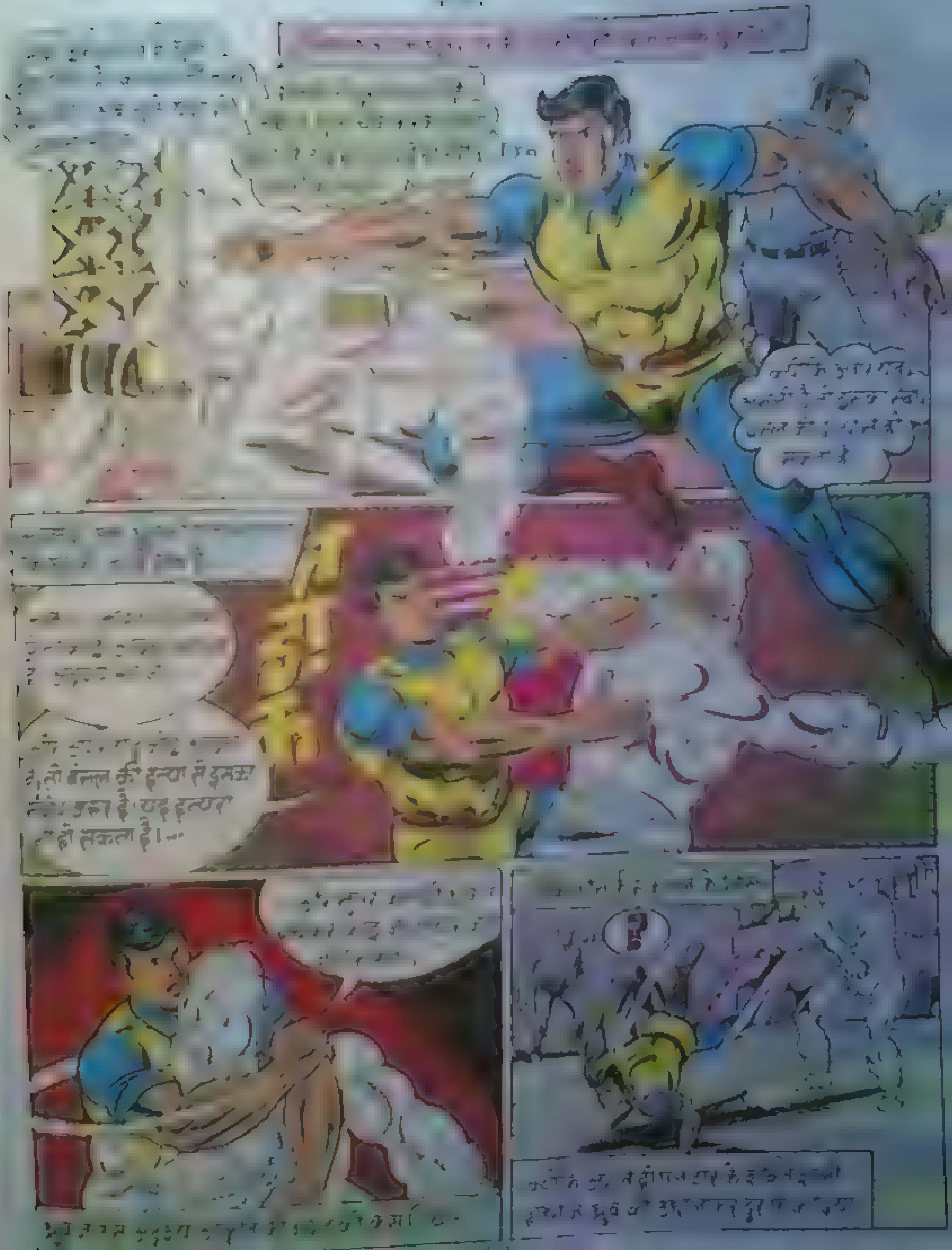

यह क्या हो रहा है?
...यह अगर एक बार नजरों से ओझल हो गया तो इन चट्टानों के बीच से मैं इसको कभी ढूंढ नहीं पाऊंगा...

कड़कड़ाहट की आवाज़ 'रॉकेट लाइट' तक जा पहुंची-
हम पीछे पीछे चलते हैं!
ओह! समझ गया। चट्टान के टुकड़े मुझ पर गिर रहे हैं...
ओफ़!

वह पृथ्वीवाली कहाँ

अरे, ये आवाज कैसी है?
चलो, इसे ढूंढते हैं।

हमारे सिर टूटने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।

ध्रुव, यह फिर हमारी तरफ आ रहा है!

एक मिनट!

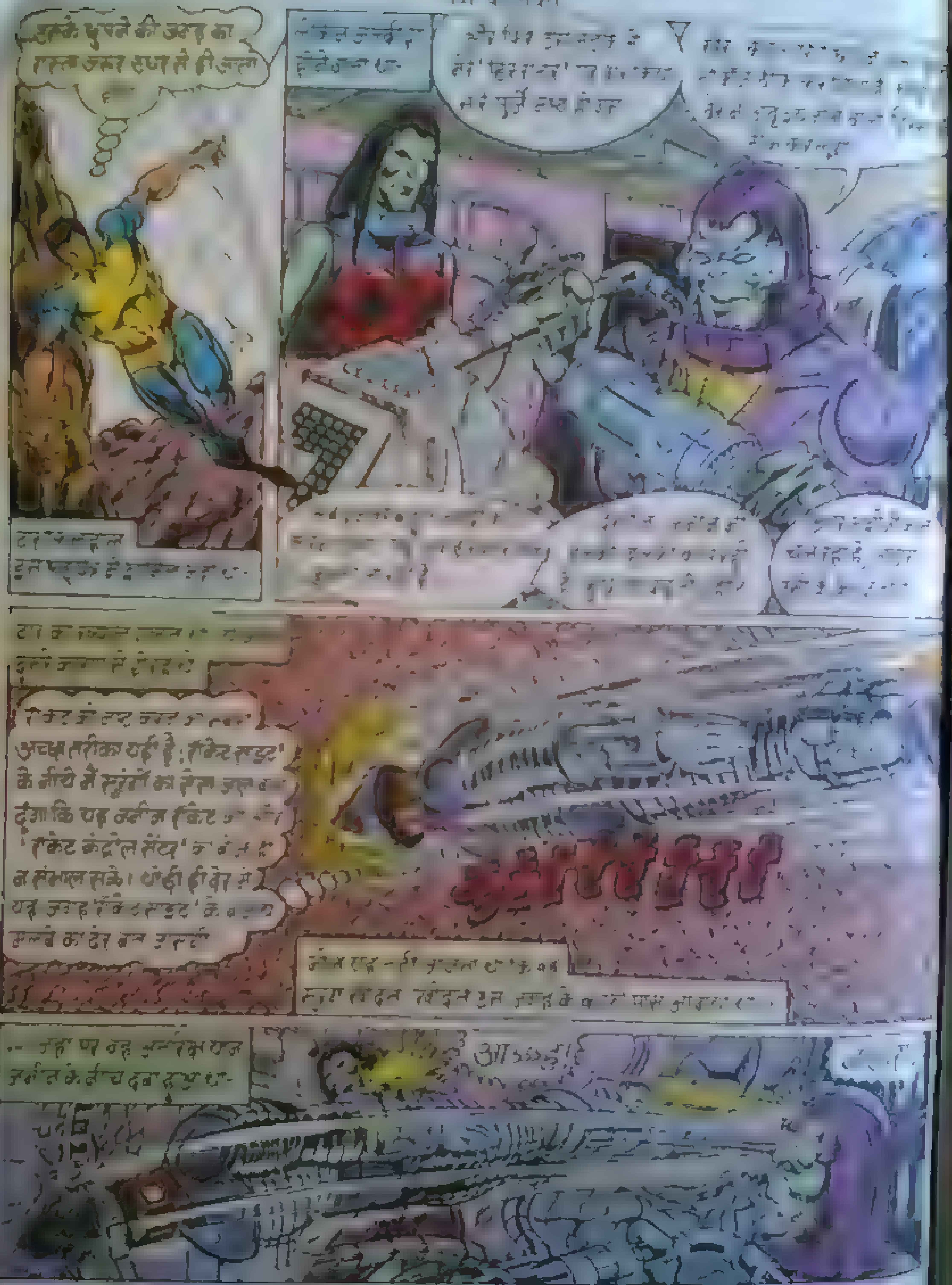

अच्छा तरीका यही है
आऽऽई!

नदी के पास पहुंच चुका

इसका मुझे कुछ पता नहीं!

मैं तो सिक्योरिटी वालों से बचने के लिए जंगल की तरफ आ गया था।
...लेकिन तुम्हारे साथ ये कौन है?

अब तुम मुझे बताओ
कि तुम वे सबूत ला पाए
को अपराधी सिद्ध कर
सके?
ये रॉकेट मंगल ग्रह तो क्या,

और या फिर इस तोप को किसी और के माथे पर डाल देगा।

3..2..1..
रॉकेट ने धरती की सतह छोड़ दी-
उस पर ध्रुव का चेहरा उभर गया-
ओह, तुम तो उस कुर्सी पर बैठ भी चुके हो ध्रुव!
कैसा महसूस कर रहे हो?
बहुत अच्छा डॉक्टर साहब

ऊपरी सतह गर्म होकर लाल होने लगा-

राजनगर पूरी तरह से शोक में डूब गया-
लेकिन राजनगर के कई हिस्सों में ठहाके भी गूंज रहे थे-
हा हा हा! देखा, वेंकट! कितनी सफाई से सारा काम हो गया...
रॉकेट में लगाने वाले आधे से भी ज्यादा पुर्जों के पैसे बचाकर हम अरबपति बन गए हैं। और सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे खिलाफ सारे सबूत नष्ट हो चुके हैं।
जब ध्रुव ने सोल को पकड़ लिया था, तो मैं थोड़ा सा डर गया था। लेकिन ध्रुव सोल की जुबान खुलवा नहीं पाया...
और अब कभी खुलवा भी नहीं पाएगा। क्योंकि उसकी खुद की जुबान ही हमेशा के लिए बंद हो चुकी है।
कौन है वे?
लेकिन मेरे मरने से तुम्हारी जुबान काफी तेजी से चल रही है।
ध्रुव! ध्रुव! तुम... तुम तो मर चुके हो! यह तुम नहीं हो सकते!
अगर मैंने तुम्हारे रॉकेट पर उड़ान भरी होती, तो मैं जरूर मर चुका होता।

लेकिन मैंने तुम्हारे रॉकेट पर तो उड़ान भरी ही नहीं साहा
उड़ान नहीं भरी! यह कैसे हो सकता है! मैं खुद तुमको रॉकेट में बैठाकर आया था।...
उसके बाद वीडियो पर हम सब लोग, तुमको रॉकेट के अन्दर बैठे हुए भी देख रहे थे।
तो क्या तुम अंतरिक्ष में रॉकेट से बाहर निकल गए?
अंतरिक्ष में नहीं। तुमको याद होगा कि रॉकेट उड़ने के एक मिनट पहले इंजन स्टार्ट कर दिए गए थे। चारों तरफ धुआं ही धुआं हो गया था।
मैं उसी धुएं की आड़ में रॉकेट उड़ने के पचास सेकेंड पहले रॉकेट से बाहर आकर एक गुप्त स्थान पर चला आया था।
और वह गुप्त स्थान था- टार का दुर्घटनाग्रस्त अंतरिक्ष यान।
त- तो वीडियो पर हम लोग तुमको रॉकेट के अंदर बैठा हुआ कैसे देख रहे थे?
वे वीडियो सिग्नल रॉकेट से नहीं, बल्कि कहीं और से भेजे जा रहे थे, वेंकट।
और उस प्रसारण में मैं तो असली था, लेकिन मेरे पीछे के दृश्य, यानी रॉकेट के अन्दर का सीन, कंप्यूटर पर बनाया हुआ वह 3-D डिजाइन था...
...जो तुम्हारे कंप्यूटर पर ही बनाया गया था, और जिसके आधार पर इस असली रॉकेट को हूबहू वैसा ही बनाया गया।
उस वीडियो प्रसारण में मुझे उन 3-D डिजाइनों के साथ मिक्सित करके ऐसा आभास दिया गया था मानो मैं रॉकेट में ही बैठा हुआ हूं।
ये प्रसारण और मिक्सिंग, सिर्फ टार की स्पेस शिप के अत्याधुनिक सिस्टमों द्वारा ही संभव हो पाई।
पर... पर उन 3-D डिजाइनों की फ्लॉपी तुम्हारे पास आई कैसे?
वे फ्लॉपी ध्रुव को लाकर मैंने दी थी साहा!
तू! तो तू है फ्लॉपी चोर!

तुम्हारे चेहरे से नकाब उतारने के लिए अगर मुझे रिजर्व बैंक में भी चोरी करनी पड़ती तो मैं वह भी करता ताहा।
रॉकेट पुर्जों की चोरी के बारे में मुझे बहुत पहले पता चल चुका था ताहा। मैं चाहता तो तुमको पहले भी पकड़ सकता था।...
...लेकिन तब तुम या तो अपनी गलती को सुधार लेते।...
...और या फिर अपना दोष किसी और के माथे पर मढ़ देते।
इसीलिए पहले मैंने तुम्हारे बचने के रास्तों को बन्द किया और फिर तुमको इन पैसों के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया।
अब तुम लोग बचकर कहीं नहीं जा सकते ताहा और बैंकट राजू।
गलत, ध्रुव।
अब तुम लोग बचकर कहीं नहीं जा सकते।
तुम्हारी मौत रॉकेट के हाथों नहीं, मेरे हाथों लिखी थी।
लेकिन ट्रिगर दबने के पहले ही नास्त्रेदमस हरकत में आ गया-
तुम लोग खामख्वाह ही गर्म हो रहे हो। मैं ठंडा होने में तुम दोनों की थोड़ी सी मदद कर देता हूं। बुध ग्रह की शीत तरंगों के द्वारा!
शाबाश, नास्त्रेदमस। अब ये दोनों जब जागेंगे तो जेल में होंगे।

Vinod Yadav

और फिर बाद में-
राजनगर के एक सुनसान तट पर-
बाद में, उनके ग्रह वाले पृथ्वी पर आकर उनको दूसरे यान में वापस ले गए।
और फिर-